गुरु गोविन्द दोऊ खड़े

सन्त-कवि कबीर जी द्वारा लिखित दोहा

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूँ पाँय।

बलिहारी गुरु आपकी, जिन गोविन्द दियो बताय॥

मेरे गुरु और भगवान, दोनों ही मेरे सामने खड़े हैं।
मैं पहले किसकी चरण-वन्दना करूँ?
हे श्रीगुरु, मैं अपने आप को पूर्णतया आपके प्रति समर्पित करता हूँ।
आप ही हैं जिन्होंने मुझे भगवान के दर्शन करा दिए हैं।

एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।